Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 24-08-2005

Participants : Chandel Shri Suresh

>

Title : Need to send a team of experts to study the adverse impact of floods in Satluj river in Himachal Pradesh due to Parichhu river.

श्री सुरेश चन्देल : उपाध्यक्ष जी, मैं आपका माध्यम से सदन का ध्यान एक बहुत ही संवेदनशील विाय की ओर आकर्ति करना चाहता हूँ। इससे पहले भी सदन में बाढ़ के विाय पर चर्चा हो चुकी है और चर्चा में भाग लेते हुए मैंने हिमाचल प्रदेश में पारिछू नदी के कारण वहां जो विनाश का ताण्डव हुआ, उसकी तरफ सदन का ध्यान आकृट किया थ। हम जानते हैं कि पिछले दिनों वहां जो बाढ़ आई थी उसके कारण वहां लगभग 800 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ था। मैं उस समय निवेदन किया था कि भारत सरकार अपने राजनयिक सम्बन्धों का उपयोग करते हुए एक ि वशेाज्ञ टीम चीन भेजे ताकि यह जानकारी प्राप्त हो सके कि बार-बार जो पारिछू नदी का जल स्तर बढ़ रहा है और जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में समय-समय पर बाढ़ आ रही है और अरबों रूपए की सम्पत्ति नट हो रही है, उसकी जानकारी प्राप्त हो सके। लेकिन ऐसा लगता है कि अभी तक उस दिशा में कोई ज्यादा प्रयास नहीं हुए हैं। अभी पिछले दिनों यह खबर मिली है कि उस नदी में फिर से जलस्तर बढ़ रहा है और उसके कारण ट्राइबल जिला किन्नौर और विलासपुर तक, सभी जगह इस बात का भय व्याप्त है कि फिर से उसी तरह की बाढ़ आएगी, जिसमें लोगों के धन और जन की हानि होने की संभावना cè*[r55]

[c56]

महोदय, मैं भारत सरकार से फिर निवेदन करता हूं कि चीन में उस स्थान पर विशेाज्ञों की एक टीम भेजे। जो उस स्पॉट पर जाकर निरीक्षण कर सके और ठीक वस्तुस्थिति से भारत सरकार और प्रदेश सरकार को अवगत करा सके।

उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों वहां पर अभी जो पुनर्वास का काम है, वह भी ठीक से नहीं चल रहा है। पिछले दिनों वहां पर जो नुकसान हुआ है, उस नुकसान के लिए जो पर्याप्त पैसा यहां से जाना चाहिए था, वह नहीं गया है। यद्यपि थोड़ी मात्रा में वहां सहायता मिली है और जैसा कि मैंने कहा कि लगभग आठ सौ करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। मेरा यह निवेदन है कि कहीं ऐसा न हो कि अभी जो पुरानी सड़कें और पुल टूटे हैं या जहां भी पुनर्वास का काम होना है, वह ठीक से नहीं हुआ है और दोबारा वहां पर क्षति हो जाए, इसलिए मैं पुनः सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि चीन के साथ अपने राजनयिक संबंधों का उपयोग करते हुए एक विशेाज्ञों की टीम वहां भेजी जाए। भारत सरकार वहां पर्याप्त सहायता दे, ताकि प्रदेश के अंदर जो पुनर्वास का काम है, वह ठीक से चले और जो आशंका लोगों के मन में व्याप्त है, उसको दूर करने के लिए इन संबंधों का भारत सरकार उपयोग करे, धन्यवाद।